वर्तमान वित्तीय वर्ष अर्थात वर्ष 2017-18 मे सूक्ष्म एवं लघु उध्योगों (एमएसई) से प्रापण हेतु एनपीसीआईएल का वार्षिक योजाना

सूक्ष्म एवं लघु उध्योग अधिनियम, 2006 के अंतर्गत, सूक्ष्म एवं लघु उध्योगों (एमएसई) हेतु नवीनलोकप्रापण नीति के संबंध मे भारत सरकार से प्राप्त निर्देशों के अनुरूप वित्तीय वर्ष 2017-18 के लिए एनपीसीआईएल द्वारा वस्तुओं व सेवाओं के कुल वार्षिक प्रापण का 20% भाग सूक्ष्म एवं लघु उध्योगों (एमएसई) द्वारा उद्धत वस्तुओं व सेवाओं से लिए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया है व साथ ही, सूक्ष्म एवं लघु उध्योगों (एमएसई) के 20% भाग के इस लक्ष्य मे से अनुसूचित जाति / जनजाति के स्वामित्व वाले उध्योगों के लिए, 4.0% भाग का उप-लक्ष्य भी निर्धारित किया है।

Annual Plan for Procurement from Micro & Small Enterprises (MSEs) in the current financial year i.e. 2017-18, by NPCIL.

In line with the directives received from the Government of India regarding new Public Procurement Policy for Micro and Small Enterprises (MSEs) under the Micro, Small and Medium Enterprise Act, 2006, for the FY 2017-18 NPCIL has set up a target of 20% of total annual procurement of goods and services quoted by MSEs and also 4.0% sub-target within this target of 20% from MSEs owned by SC/ST Enterprises.

****